

दैनिक जागरण



सेक्टर-10 स्थित अत्याइन कॉन्वेंट स्कूल में वाद-विवाद प्रतियोगिता में गणेश तंनना की प्रस्तुति देते हुए विद्यार्थी • जागरण



दैनिक जागरण संस्कारशाला के वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभागियों से सवाल पूछती छात्रा सार्व में निर्णायक वरुणिका • जागरण



वाद-विवाद प्रतियोगिता में पर्यटन विषय पर पक्ष व विपक्ष में विचार साझा करते अत्याइन कॉन्वेंट स्कूल के विद्यार्थी • जागरण

सनसिटी वर्ल्ड स्कूल के विद्यार्थी रहे अब्बल विचार साझा करने को मिला मंच

दैनिक जागरण की संस्कारशाला के तहत आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में शामिल हुए विद्यार्थी

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम: दैनिक जागरण के संस्कारशाला के तहत आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने 'राष्ट्रीय चरित्र निर्माण' में सांस्कृतिक विचित्रता का योगदान' विषय पर अपने विचार रखे। शुक्रवार को अत्याइन कॉन्वेंट स्कूल, सेक्टर-10 में आयोजित प्रतियोगिता में सनसिटी वर्ल्ड स्कूल के विद्यार्थी तर्क और विषय अग्रवाल पहले स्थान पर रहे। दूसरे स्थान पर ग्रीनवुड पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी सोरभ और अदिति राय रहे। तीसरे स्थान अत्याइन कॉन्वेंट स्कूल, सेक्टर 38 के विद्यार्थियों मानवी राणा और आशुतोष भारद्वाज को मिला। इन सभी विजेता विद्यार्थियों को स्टारएक्स विश्वविद्यालय से कुलपति डॉ. अशोक दिवाकर, मनोविज्ञान की प्राध्यापक डॉ. उर्वशी सिंह, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. मुक्ता और स्कूल प्राचार्य रेखा शर्मा ने पुरस्कृत किया। विद्यार्थियों ने कई उदाहरणों और तथ्यों के साथ अपनी बात रखी। पहले राउंड में 19 स्कूलों के प्रतिभागियों ने अपने विचार रखे जिसके आधार पर पांच स्कूलों के विद्यार्थियों का चयन दूसरे राउंड के लिए किया गया। दूसरे चरण के वाद सनसिटी स्कूल, सौसाए स्कूल, श्रीएसएन सिटिडेशर और अत्याइन कॉन्वेंट सेक्टर 38 के प्रतिभागियों को विजेता घोषित किया गया। विद्यार्थियों द्वारा अयोध्या पर फेसले से लेकर मॉन लिचिंग तक की चर्चा की गई।



दैनिक जागरण संस्कारशाला की वाद-विवाद प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागी • जागरण



निर्णायक मंडल के सदस्यों के साथ वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर आने वाले प्रतिभागी विजेता टाफी के साथ • जागरण



सेक्टर-10 स्थित अत्याइन कॉन्वेंट स्कूल में वाद-विवाद प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी • जागरण

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम: संस्कारशाला की वाद-विवाद प्रतियोगिता में पहुंचे प्रतिभागियों ने इस प्रतियोगिता को खूब सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के मंचों पर वे अपने विचारों का आदान प्रदान कर सकते हैं। शुक्रवार को हुई इस प्रतियोगिता में विजेता रहे प्रतिभागियों ने इस तरह अपने विचार रखे।

संस्कारशाला की गतिविधियाँ हमेशा उत्साहवर्क रही हैं। इनके माध्यम से दैनिक जागरण विद्यार्थियों में संस्कार करने का प्रयोग कर रहा है। इस प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त करना हमारा उद्देश्य नहीं था बल्कि अपने विचार रखने के लिए इस प्रतियोगिता का हिस्सा बने थे। यही स्थान पाकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।
तनिक, सनसिटी स्कूल, सेक्टर-56

वाद प्रतियोगिता और इतना विषय बहुत अच्छा लगा। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए मैं बहुत उत्साहित था। इसमें हमने अपने विचारों को रखा और लोगों के नजरियों को समझा। दैनिक जागरण इस तरह के आयोजन करता रहे, ऐसी उम्मीद करता हूँ। आगे भी इस तरह की प्रतियोगिता में हिस्सा लेते रहूँ।
विशेष अग्रवाल, सनसिटी स्कूल, सेक्टर-56

आज का टॉपिक बेहद अच्छा था। दैनिक जागरण की तरफ से अत्यंत कराराए इस मंच पर अपनी बात रखकर अच्छा लगा। इस पर लोगों को बात करनी चाहिए और खुलकर अपने विचार रखने चाहिए। इससे हमें होगा कि हम अपनी खामियों से सीख लेकर बेहतर देश का निर्माण कर सकेंगे। इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर बहुत अच्छा लगा। मैंने विषय के विषय में बोले हुए अपनी बात और उसके लिए तय रखे।
सौरभ, ग्रीनवुड पब्लिक स्कूल

दैनिक जागरण की इस पहल की सराहना करती हूँ। दैनिक जागरण संस्कारशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को बेहतर मंच तो दे ही रहा है, साथ ही आज के दौर में संस्कारों की तरफ मोड़ने की बात कर रहा है। संस्कारशाला से हमें हर तरह की जानकारी व नैतिक मूल्यों के बारे में का अवसर मिलता है।
अदिति राय, ग्रीनवुड पब्लिक स्कूल

दैनिक जागरण संस्कारशाला के तहत कई तरह की गतिविधियाँ करवाता है और हमारे स्कूल में कांशिस रहती है हर तरह की गतिविधि में हिस्सा लेते। आज के आयोजन में हिस्सा लेना और अपने विचार साझा करना बहुत अच्छा लगा। संस्कारशाला मूल्यों का पाठ पढ़ाता है?
आशुतोष भारद्वाज, अत्याइन कॉन्वेंट स्कूल, सेक्टर 38

इस आयोजन से जुड़ना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। दैनिक जागरण के इस मुहिम से निश्चित रूप से विद्यार्थी लाभान्वित होकर अपनी जड़ों से जुड़ेंगे। इसके तहत प्रकाशित होने वाले लेख बहुत ही प्रेरणादायक होते हैं। उन्हें पढ़कर और समीक्षण देखकर प्रेरणा मिलती है। आज की प्रतियोगिता में अपने विचार रखने का अवसर मिला, बहुत अच्छा लगा।
मानवी राणा, अत्याइन कॉन्वेंट स्कूल, सेक्टर 38

आज की प्रतियोगिता को देखकर एक बात यह समझ में आई कि दैनिक जागरण अपने सामाजिक संस्कारों के प्रति किनना प्रतिबद्ध है। दैनिक जागरण के प्रयासों से आज विद्यार्थी और स्कूल इतनी बड़ी संख्या में आ रहे हैं। आज की प्रतियोगिता में निर्णय करना कठिन था। विद्यार्थियों का आत्मविश्वास, उनके द्वारा रखे विचार और तथ्यों के आधार पर टॉप तीन टीमों का चयन किया।
डॉ. अशोक दिवाकर, कुलपति, स्टारएक्स विश्वविद्यालय

वाद-विवाद प्रतियोगिता में विद्यार्थियों का आत्मविश्वास सराहनीय था। प्रतियोगिता के अलावा दैनिक जागरण ने जिस तरह से विद्यार्थियों को संस्कारों से जोड़ने की पहल की है उससे निश्चित रूप से बेहतर समाज का निर्माण हो सकेगा। आज के दौर में विद्यार्थियों के पास इतने मनोरंजन के माध्यम हो गए हैं कि वे जीवन की मूलभूत चीजों से दूर होते जा रहे हैं। ऐसे में उन्हें फिर से जड़ों से जोड़ा जा रहा है।
डॉ. उर्वशी सिंह, मनोविज्ञान प्राध्यापक, योगेश्वर राजकीय महाविद्यालय

दैनिक जागरण के संस्कारशाला से हम काफी समय से जुड़े हैं। विद्यार्थियों को संस्कारशाला की गतिविधियों में हिस्सा लेने का अवसर रहता है। समाज के बेहतर निर्माण के लिए भावी पीढ़ी को किस तरह से तैयार करना है, इस बारे में दैनिक जागरण अपने आलेखों और लोगों के विचारों को प्रकाशित करके विद्यार्थियों को जानकारी देता रहता है। आज के आयोजन में विद्यार्थियों का आत्मविश्वास व लक्ष्य देने में हमें सहायक थी।
डीके शर्मा, निदेशक, अत्याइन कॉन्वेंट स्कूल, सेक्टर-10

स्कूलों का संस्कारशाला अगमना और दैनिक जागरण का इस मुहिम को चलाना समाज को नई दिशा देगा। इससे विद्यार्थियों में संस्कारों का संसार फैला जा सकेगा। आज पढ़ाई में तो हर कोई अब्बल आना चाहता है लेकिन संस्कारों की बातें हम प्राथमिकता पर नहीं रख पाते। ऐसे में दैनिक जागरण ने इस दायित्व को समझा और आज की प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और उनकी बातों में इन संस्कारों की झलक दिखाई।
डॉ. मुक्ता, वरिष्ठ साहित्यकार